भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 639

दिनांक 25 जून, 2019 के लिए प्रश्न

विषय: नीली क्रांति योजना के अंतर्गत सागरीय कृषि

639. डॉ॰ सुकान्त मजूमदार:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मत्स्यपालन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने नीली क्रांति(ब्लू रिवल्यूशन स्कीम) के तहत 'सागरीय कृषि' को शामिल किया है और यदि हां, तो वर्ष 2018-19 के दौरान इस हेतु कितनी राशि आबंटित की गई है;

(ख) भारत में मत्स्य-संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने के लिए उत्तरदायी और सतत मत्स्य पालन की दिशा में सुधारों को अपनाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(ग) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि समुद्र तटीय क्षेत्रों में मत्स्य-पर्यावास और प्रवालभित्तियां कम हो रही हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार कृत्रिम मत्स्य-पर्यावास के विकास के लिए एक कार्यक्रम बनाने की इच्छुक है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) वर्ष 2019 के दौरान देश में कितनी मात्रा में मछली का उत्पादन होने का अनुमान है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री

(श्री प्रताप चंद्र सारंगी)

(क) जी हाँ। सरकार ने समुद्री मछली पालन को नीली-क्रांति योजना को अंतर्गत शामिल कर लिया है। वर्ष 2018-19 के दौरान समुद्री मछलीपालन के लिए जारी की गई राशि 89.45 लाख रू. है।

(ख) देशभर में उत्तरदायी और वहनीय मत्स्यपालन से अधिकतम उपयोग में आने वाली मछली पालन स्रोतों के लिए अपनाए गए उपाय इस प्रकार हैं - (i) केंद्रीय समुद्री मत्स्यपालन अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई), द्वारा की गई अनुंशसा के अनुसार मछली पकड़ने हेतु न्यूनतम वैध आकार का कार्यान्वयन (ii) मछली पकड़ने के लिए विध्वंसात्मक मत्स्य पकड़ने की कार्य प्रणाली जैसे बुल महाजाल/जोड़ (पेयर) महाजाल, कैमिकल और जहर का प्रयोग आदि पर प्रतिबंध। (iii) मछली समुच्चयी उपकरणों (एफएडी) के आधार पर मछली पकड़ने और स्किवड जिगिंग के अलावा मछली पकड़ने के लिए एलईडी लाइट के उपयोग पर प्रतिबंध। (iv) मछली पकड़ने के लिए जाली के आकार का विनियमन। v) मछली पकड़ने के जाल के अंतिम छोर पर चौकोर जाली अपनाए जाने पर बल। (vi) मानसून अवधि के दौरान मछली पकड़ने पर समान रूप से प्रतिबंध लगाए जाने पर बल इत्यादि।

(ग) और (घ) केंद्रीय समुद्री मत्स्यपालन अनुसंधान संस्थान (सीएमएफ.आर.आई) कोच्ची से प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुसंधान अन्वेषण इस ओर इशारा करता है कि प्रवाल भित्ति (कोरल रीफ) में गिरावट जलवायु एवं एनथ्रोपजनिक दबाव के कारण आई है। मत्स्य आवास में गिरावट उचित ठोस वेस्ट प्रबंधन (सोलिड वेस्ट) विशेषकर नॉन-डीग्रेडेबल वेस्ट की कमी के कारण आयी है। यह बात संबंधित राज्य सरकारों के ध्यान मे लाई गई है। सीएमएफआरआई ने कृत्रिम मत्स्यन आवास के स्थापन के लिए तमिलनाडु, आध्रंप्रदेश, केरल और गुजरात के राज्य मत्स्यपालन विभाग को तकनीकी परामर्शी सेवाएं प्रदान की हैं।

(ग) वर्ष 2019-20 के दौरान देशभर में अनुमानित मछली उत्पादन 15 मिलियन मीट्रिक टन है।

******